(c) and (d) These items are proposed to be discussed in the Joint Consultative Machinery of the Kendriya Vidyalaya Sangathan. The Joint Consultative Machinery of the Kendriya Vidyalaya Sangathan could not be formed as the Delhi High Court, on a Writ Petition had directed the Kendriya Vidyalaya Sangathan on 16th April, 1986 not to constitute the staff council under the Joint Consultative Machinery Scheme. The Delhi High Court has recently vacated the aforesaid stay order and steps are being taken by the KVS to constitute the Joint Consultative Machinery which will consider the demands of the Association.

Statement

Charter of Demands

1. Representation of teachers' bodies on Kendriya Vidyalaya Sangathan and its Board of Governors De-linking of Kendriya Vidyalaya teachers from those of Delhi Administration and other Union Territories in view of their all India transfer liabilities and other hardships.

2. Increase in internal promotion quota to 75 per cent in general and special promotional avenues for WETs, PETs, Drawing Teachers, Music Teachers, Librarians, Home Science Teachers, Lab. Assistants and guarantee of three promotions in a career abolition of cadre of Lab. Attendants and revival of that of Lab. Asstts.

3. Grant of time-bound selection grades to all categories of teachers *i. e.* after 8 years and introduction of super-selection grades and provision of Gratuity with CPF.

4. JCM at all levels and rationalisation of recruitment and promotion rules.

5 Withdrawal of 9 years' transfer policy and introduction of a human transfer policy and grant of request transfers in Public interest.

6. Restoration of March-May 1982 salary; 19th April. 1983 Casual Leave provision of employment to the wards of Kendriya Vidyalaya Sangathan serving employees and stoppage of victimisation of AIKVTA office-bearers and activities.

7. Higher pay scales than those of Delhi and UT teachers, regularisation of services of Yoga, on trial and *ad hoc* teachers.

8. House for every teacher and special grade for Music teachers.

9. *Work-load as per present* norms of KVS and extension of admissible privileges to reserved categories of KVS employees.

10. Opening of Kendriya Vidyalaya at all district headquarters and provision of admission local children to percentage.

11. Elaboration and liberalisation of medical facilities.

मुख्य अभियन्ता-निर्माण अधीक्षक, उत्तर रेलवे के कार्यालय में अधिकारियों की तैनाती

3398. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मुख्य अभियन्ता-निर्माण अधीक्षक, उत्तर रेलवे, कश्मीरी गेट, दिल्ली के कार्यालय में कुछ उच्च अधिकारी 5 से 10 वर्षों से भी अधिक समय से उसी कार्यालय में एक ही पदों पर लगातार कार्य कर रहे है ;

(ख) यदि हां, तो इन उच्च अधिकारियों को इतनी लम्बी अवधि के लिए एक ही ड्यूटी स्थान पर तैनात किये जाने के क्या कारण है ;

(ग) क्या सरकार उपर्युक्त भाग (क) में उल्लिखित उच्च अधिकारियो का स्थानान्तरण करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हा, तो कब तक और, यदि नही, तो इसके क्या कारण है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) जी नही ।

(ख) से (घ) प्रश्न नही उठते ।

मुख्य अभियन्ता-निर्माण अधीक्षक का कार्यालय उत्तरी रेलवे दिल्ली द्वारा दिये गये निर्माण ठेके

3399. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) मुख्य अभियन्ता-निर्माण अधीक्षक उत्तरी रेलवे, कश्मीरी गेट, दिल्ली के कार्यालय में ऐसे कितने मामले हैं जिनमें पिछले तीन वर्षों के दौरान उन्हीं ठेकेदारों को नए निर्माण के ठेके दिये जा रहे हैं और ऐसे ठेकेदारो के नाम क्या हैं ;

(ख) उपर्युक्त भाग (क) में उल्लिखित ठेकेदारों को किस प्रकार के ठेके दिये गये और ये नये ठेके कितनी-कितनी राशि के दिये गये है ;

(ग) क्या इस मामले की जांच कराने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(घ) यदि हा, तो कब तक जांच किये जाने का विचार है ; और

(ङ) यदि नही तो उसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया : (क) और (ख) पिछले तीन वर्षो के दौरान 45 ठेकेदारों को प्रत्येक को एक से अधिक कार्य के ठेके दिये गये थे और ऐसे ठेको की कुल संख्या 107 है . ये ठेके विभिन्न किस्म के कार्यो के थे, यथा भूमि संबंधी कार्य, पत्थर की गिट्टियो की आपूर्ति, इमारतो, पुलो आदि का निर्माण । प्रत्येक ठेकेदार को दिये गये विभिन्न ठेको की राशि सहित अलग-अलग ठेकेदारो के नाम सलग्न विवरण मे दिये गये है [देखिये परिशिष्ट CXLIV, अनुपत्र सं 142]

(ग) जी नही ।

(घ) प्रश्न नही उठता ।

(ङ) एक ठेकेदार को एक से अधिक ठेके दिये जाने पर कोई प्रतिबन्ध नही है और यह उसकी वित्तीय और तकनीकी क्षमता पर निर्भर करता है ।

Transfer of Teachers of the Government Girls Senior Secondary School, Sagarpur

3400. SHRI KAILASH PATI MISHRA. Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the names of the teachers working in the Government Girls Senior Secondory School, Sagarpur, Delhi-46 who applied for transfer from the said school during the current year alongwith the dates on which such applications had been submitted by them to the School authorities;

(b) since when each of them has been continuously working in the Sagarpur School including Sagarpur Middle School and the Sagarpur Secondary School,

(c) the names of the teachers who have been transferred from the said school during the current year till date, alongwith the names of the schools to which they have been transferred;

(d) whether any of the teachers not yet transferred have been applying for transfer from the said school continuously for atleast three years; and